NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 12.1.2023
Page No. 3, Size:(30.94)cms X (21.87)cms.

परियोजना: ट्रेन के लिए वडोदरा जिले में अंडरस्लंग मैथड से वायाडक्ट निर्माण

सूरत-बिलिमोरा 2026, पूरे गुजरात में 2027 तक बुलेट ट्रेन

राजेश भटनागर
patrika.com

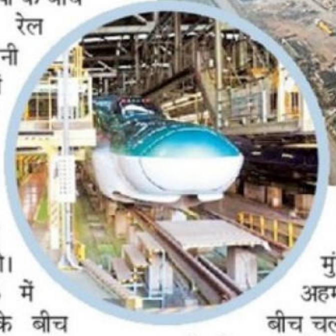

आणंद-नडियाद में निर्माणाधीन स्टेशन। बुलेट ट्रेन के लिए वडोदरा जिले में अंडरस्लंग मैथड़ से वायाडक्ट निर्माण।

अहमदाबाद. गुजरातभर के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अहमदाबाद से वापी के बीच हाई स्पीड रेल (एचएसआर) यानी बुलेट ट्रेन 2027 में दौड़ने की पूरी संभावना जताई जा रही है। लोग चार वर्ष बाद इसमें यात्रा का आनंद ले सकेंगे। वहीं जून 2026 में सूरत-बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन शुरु किए जा सकेगा।

देश की पहली बुलेट ट्रेन को मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलाने के लिए निर्माण कार्य भी बुलेट गति से जारी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) की ओर से इस कार्य के लिए 25 हजार से ज्यादा श्रमिकों-कार्मिकों से दिन-रात भर कार्य करवाया जा रहा है।

अहमदाबाद के साबरमती, कालूपुर, आणंद, नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा और वापी सहित 8 स्टेशन के बीच निर्माण कार्य पूरा होने के बाद जून 2027 में बुलेट ट्रेन दौड़ाने की पूरी उम्मीद है। गुजरात में 348 किलोमीटर में से 99, दादरा और नगर हवेली में 4 किमी में 100 फीसदी जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है।

गुजरात में 30 फीसदी कार्य पूरा

जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर तक की स्थिति के अनुसार बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात भर में 30.68 फीसदी, महाराष्ट्र में 13.37 फीसदी सहित कुल 24.73 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। कुल 227.62 किलोमीटर में पाइल कार्य, 126.44 किलोमीटर में पियर (पिलर्स) कार्य और 21.44 किलोमीटर में गिर्डर (वाडाडक्ट) लगाने का कार्य पूरा हुआ है। आणंद व सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 50-50 मीटर लंबे रेल लेवल स्लैब भी लगाए हैं। अधिकतम परिचालन गति 320 किमी प्रति घंटा होगी।

जून 2026 में सूरत-बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन करने और अगस्त 2027 में गुजरातभर में बुलेट ट्रेन चलाने की पूरी कोशिश की जा रही है। महाराष्ट्र सरकार से 4 महीनों में पूरा समर्थन मिलने के कारण समस्याएं समाप्त हुई हैं और 98 फीसदी से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया है। -**राजेंद्र प्रसाद,** प्रबंध निदेशक, एनएचआरसीएल

RAJASTHAN PATRIKA, Agra, 12.1.2023
Page No. 3, Size:(20.98)cms X (7.30)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना: जून 2026 में सूरत-बिलिमोरा के बीच देख सकेंगे ट्रायल रन, बुलेट ट्रेन के लिए वडोदरा जिले में अंडरस्लंग मैथड़ से वायाडक्ट निर्माण

गुजरात में 2027 में ले सकेंगे बुलेट ट्रेन की यात्रा का आनंद

राजेश भटनागर
patrika.com

आणंद-नडियाद में निर्माणाधीन स्टेशन। बुलेट ट्रेन के लिए वडोदरा जिले में अंडरस्लंग मैथड़ से वायाडक्ट निर्माण।

अहमदाबाद. गुजरातभर के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अहमदाबाद से वापी के बीच हाई स्पीड रेल (एचएसआर) यानी बुलेट ट्रेन 2027 में दौड़ने की पूरी संभावना जताई जा रही है। लोग चार वर्ष बाद इसमें यात्रा का आनंद ले सकेंगे। वहीं जून 2026 में सूरत-बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन शुरु किए जा सकेगा।

देश की पहली बुलेट ट्रेन को मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलाने के लिए निर्माण कार्य भी बुलेट गति से जारी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) की ओर से इस कार्य के लिए 25 हजार से ज्यादा श्रमिकों-कार्मिकों से दिन-रात भर कार्य करवाया जा रहा है।

अहमदाबाद के साबरमती, कालुपुर, आणंद, नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा और वापी सहित 8 स्टेशन के बीच निर्माण कार्य पूरा होने के बाद जून 2027 में बुलेट ट्रेन दौड़ाने की पूरी उम्मीद है। गुजरात में 348 किलोमीटर में से 99, दादरा और नगर हवेली में 4 किमी में 100 फीसदी जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है।

गुजरात में 30 फीसदी कार्य पूरा

जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर तक की स्थिति के अनुसार बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात भर में 30.68 फीसदी, महाराष्ट्र में 13.37 फीसदी सहित कुल 24.73 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। कुल 227.62 किलोमीटर में पाइल कार्य, 126.44 किलोमीटर में पियर (पिलर्स) कार्य और 21.44 किलोमीटर में गिर्डर (वाडाडक्ट) लगाने का कार्य पूरा हुआ है। आणंद व सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 50-50 मीटर लंबे रेल लेवल स्लैब भी लगाए हैं। अधिकतम परिचालन गति 320 किमी प्रति घंटा होगी।

जून 2026 में सूरत-बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन करने और अगस्त 2027 में गुजरातभर में बुलेट ट्रेन चलाने की पूरी कोशिश की जा रही है। महाराष्ट्र सरकार से 4 महीनों में पूरा समर्थन मिलने के कारण समस्याएं समाप्त हुई हैं और 98 फीसदी से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया है। -**राजेंद्र प्रसाद,** प्रबंध निदेशक, एनएचआरसीएल

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.
DAINIK BHASKAR, Surat, 14.1.2023
Page No. 2, Size:(15.80)cms X (7.17)cms.

दो साल में बदल गई अंत्रोली गांव की तस्वीर • बंजर मैदान और खेत की जगह आकार ले रहा सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन, रेल लेवल स्लैब तैयार, नदियों पर ब्रिज निर्माण का काम भी तेज

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई 508 किमी हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना का काम सूरत में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब अंत्रोली गांव की तस्वीर एकदम बदल गई है। सूरत बुलेट रेल स्टेशन का रेल लेवल स्लैब डाल दिया गया है। यहां ग्राउंड फ्लोर के बाद अब पहले तल का निर्माण भी शुरू हो गया है। एनएचआरसी की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने बताया कि काम निर्बाध गति से चल रहा है। बता दें कि जनवरी 2021 में अंत्रोली का वह स्पॉट पूरी तरह वीरान था, लेकिन आज उस जगह को पहचानना मुश्किल है। दो साल में सूरत हाई स्पीड स्टेशन तेजी से आकार लेने लगा है। 13 जनवरी तक कुल 23.7 किमी वायडक्ट बना लिया गया है। जबकि 18.4 किमी वायडक्ट बनाने का काम प्रगति पर है। इसके अलावा नर्मदा, तापी, माही और साबरमती नदी पर ब्रिजों का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DIVYA BHASKAR, Surat, 14.1.2023
Page No. 18, Size:(14.30)cms X (11.06)cms.

Bullet Train: The picture of Antroli has changed in two years, Surat High Speed Station is taking shape instead of barren fields, the slab of rail level is also ready.

બુલેટ ટ્રેન : બે વર્ષમાં અંત્રોલીનું ચિત્ર બદલાયું, ઉજ્જડ ખેતરોની જગ્યાએ સુરત હાઈસ્પીડ સ્ટેશન આકાર લઈ રહ્યું છે, રેલ લેવલનો સ્લેબ પણ તૈયાર

ડિસેમ્બર 2022

જાન્યુઆરી 2021

સુરત : જાન્યુઆરી-2021માં સુરતની નજીક આવેલા અંત્રોલીની જે જગ્યા હતા ત્યાં આજે બુલેટટ્રેનનું સુરત હાઈસ્પીડ સ્ટેશન આકાર લઈ રહ્યું છે, જે સ્થળ નિર્જન હતું તે સ્થળને આજે ઓળખવું પણ મુશ્કેલ બન્યું છે. બે વર્ષમાં ગુજરાતના આઠ જિલ્લામાંથી પસાર થતા 352 કિમીના સંરેખણ માટે 100 ટકા સિવિલ કોન્ટ્રાક્ટ આપવામાં આવ્યા છે. 13 જાન્યુઆરી સુધીમાં, કુલ 23.7 કિમી વાયડક્ટનું નિર્માણ કરાયું છે. જ્યારે 18.4 કિમી વાયડક્ટનું બાંધકામ ચાલુ છે. આ ઉપરાંત નર્મદા, તાપી, મહી અને સાબરમતી નદીઓ પર પુલ બનાવવાનું કામ ઝડપથી ચાલી રહ્યું છે.

दो साल में बदल गई अंत्रोली गांव की तस्वीर • बंजर मैदान और खेत की जगह आकार ले रहा सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन, रेल लेवल स्लैब तैयार, नदियों पर ब्रिज निर्माण का काम भी तेज

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई 508 किमी हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना का काम सूरत में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब अंत्रोली गांव की तस्वीर एकदम बदल गई है। सूरत बुलेट रेल स्टेशन का रेल लेवल स्लैब डाल दिया गया है। यहां ग्राउंड फ्लोर के बाद अब पहले तल का निर्माण भी शुरू हो गया है। एनएचआरसी की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने बताया कि काम निर्बाध गति से चल रहा है। बता दें कि जनवरी 2021 में अंत्रोली का वह स्पॉट पूरी तरह वीरान था, लेकिन आज उस जगह को पहचानना मुश्किल है। दो साल में सूरत हाई स्पीड स्टेशन तेजी से आकार लेने लगा है। 13 जनवरी तक कुल 23.7 किमी वायडक्ट बना लिया गया है। जबकि 18.4 किमी वायडक्ट बनाने का काम प्रगति पर है। इसके अलावा नर्मदा, तापी, माही और साबरमती नदी पर ब्रिजों का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।